

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 476

05 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

भिलाई इस्पात संयंत्र में गैस लीक

476. श्री मोतीलाल वोरा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि भिलाई इस्पात संयंत्र के सबसे बड़े और अत्याधुनिक ब्लास्ट फर्नेस-8 में जनवरी, 2020 के पहले सप्ताह में गैस लीक होने से पांच कर्मचारी घायल हो गए थे;
- (ख) गैस लीक होने के क्या कारण थे;
- (ग) क्या संयंत्र में 200 पीपीएम से अधिक प्रेशर होने पर भी अलार्म नहीं बजा था; और
- (घ) यदि हां, तो घटना का पूरा ब्यौरा क्या है और भविष्य में इस प्रकार की घटना की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) और (ख): भिलाई इस्पात संयंत्र के बीएफ-8 क्षेत्र में दिनांक 03.01.2020 को कुछ समय के लिए पाँच श्रमिक आंशिक रूप से ब्लास्ट फर्नेस (बीएफ) गैस की चपेट में आ गए थे। गैस के रिसाव का मुख्य कारण दबाव को नियंत्रित करने वाले कंट्रोल वाल्व के एक्ट्यूएटर की खराबी के कारण गैस निकलने की प्रणाली का काम न करना था।

(ग) और (घ): ऑडियो आलार्म तथा हूटर के साथ कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) गैस मॉनीटर बीएफ परिसर-8 में पहले से मौजूद है। बीएफ परिसर में स्थापित फिक्स्ड टाइप सीओ अलार्म द्वारा अधिक पार्ट्स प्रति मिलियन (पीपीएम) सीओ गैस के होने का संकेत दिया गया था। अलार्म बजा था। तथापि, चूंकि उस इलाके में कार्यक्षेत्र शोर-शराबे वाला है, इसलिए यह संभव है कि यह श्रमिकों के संज्ञान में नहीं आया हो। इस घटना की जांच के लिए सेल के अन्य संयंत्र/इकाईयों के वरिष्ठ कार्यपालकों वाली आंतरिक पूछताछ समिति का गठन किया गया था। समिति की प्रमुख सिफारिशें निम्नानुसार हैं:

- वाल्व को खोले जाने के किसी अन्य संकेत के अलावा गैस नेटवर्क प्रेशर के सुरक्षित सीमा से अधिक हो जाने की स्थिति में ब्लीडर नं. 2 को खोले जाने वाली प्रणाली को शामिल करना।
- सभी चिन्हित स्थानों, विशेषकर गैस नेटवर्क में सभी जल "यू" सीलों के निकट अधिक ऑडियो सेफ्टी अलार्म स्थापित करना।
- भविष्य में ऐसी किसी खराबी से बचने के लिए प्रेशर नियंत्रक वाल्व और एक्ट्यूएटर के बीच मौजूदा क्लैपिंग प्रणाली को सुदृढ़ बनाना।
